

## अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम -	पृष्ठ क्रमांक
<b>प्रथम अध्याय - 'जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतीत्व '</b>	५ - १३
<b>१.१ जयशंकर प्रसाद का जीवन -परिचय</b>	
१.१.१ जन्म	
१.१.२ मातापितादी	
१.१.३ वंश परिचय	
१.१.४ अनुवंशिक परंपरा	
१.१.५ बचपन	
१.१.६ किशोर अवस्था	
१.१.७ वैवाहिक जीवन	
१.१.८ शिक्षा तथा ज्ञानार्जन	
१.१.९ प्रसाद की अंग्रेज़ी साहित्य - प्रियता	
१.१.१० दिनचर्या	
१.१.११ मित्र गोष्ठी	
१.१.१२ विभिन्न यात्राएँ	
१.१.१३ महाप्रयाण	
<b>१.२ प्रसाद का व्यक्तित्व</b>	
१.२.१ शारीरिक गठन एवं वेशभूषा	
१.२.२ स्वभाव	
१.२.३ सात्विक प्रवृत्ति	
१.२.४ धार्मिक एवं उत्सव प्रिय	
१.२.५ कलात्मकता	
१.२.६ संगीतप्रेमी	
१.२.७ सामाजिकता	
१.२.८ सच्चे -देशभक्त	
१.२.९ निस्वार्थ साहित्य - सेवा	
१.२.१० व्यक्तिगत दार्शनिक प्रवृत्ति	
१.२.११ समन्वयात्मक दृष्टिकोन	
१.२.१२ भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की पुनः प्रतिष्ठा करनेवाले	
१.२.१३ प्रतिपाद्य विषय के लिए प्रयत्नशील	

**१.३ प्रसाद का हिंदी साहित्य में योगदान**

१.३.१ काव्य

१.३.२ उपन्यास

१.३.३ कहानी

१.३.४ निबंध -

१.३.४१. साहित्यिक निबंध

१.३.४२. ऐतिहासिक निबंध

१.३.४ ३.समिक्षात्मक निबंध

१.३.५ चंपू

१.३.६ जीवनी

१.३.७ प्रबंधात्मक काव्य

१.३.८ प्रसाद का नाट्य साहित्य में योगदान

## ● निष्कर्ष

१४ - ४६

## द्वितीय अध्याय -

“कामना और ‘एक घूँट’ नाटकों का नाटक के तत्वों के आधारपर अनुशीलन ”

## २.१ ‘कामना’ नाटक का तत्वों के आधारपर अनुशीलन

२.१.१ नाटक का रूप

२.१.२ कथावस्तु

२.१.३ प्रतिपाद्य विषय

२.१.४ पात्र या चरित्र - चित्रण

२.१.४.१ प्रमुख पात्र

२.१.४.२ गौण पात्र

२.१.३ अत्यंत गौण एवं सूच्य पात्र

२.१.५ कथोपकथन या संवाद

२.१.६ भाषा - शैली

२.१.७ गीत - विधान

२.१.८ दृश्य - विधान

२.१.९ रंगमंचीयता एवं अभिनेयता

## ● निष्कर्ष

## २.२ 'एक घूँट' एकांकी नाटक का तत्वों के आधारपर अनुशीलन

- २.२.१ एकांकी का रूप
- २.२.२ कथावस्तु
- २.२.३ प्रतिपाद्य विषय
- २.२.४ पात्र या चरित्र - चित्रण
  - २.२.४.१ प्रमुख पात्र
  - २.२.४.२ गौण पात्र
  - २.२.४.५ सुच्य पात्र
- २.२.५ कथोपकथन या संवाद
- २.२.६ भाषा - शैली
- २.२.७ गीत - विधान
- २.२.८ दृष्य - विधान
- २.२.९ रंगमंचियता एवं अभिनेयता

## ● निष्कर्ष

तृतीय अध्याय - " 'कामना' और 'एक घूँट' में चित्रित समस्याएँ

४७ - ९५

## ३.१ 'कामना' में चित्रित समस्याएँ

- ३.१.१ स्वर्ण - लालसा की समस्या
- ३.१.२ मदिरा - सेवन की समस्या
- ३.१.३ प्राकृतिक - जीवन के -हास की समस्या
- ३.१.४ पाश्चात्य भौतिकवादी प्रवृत्ति के अनुकरण की समस्या
- ३.१.५ भारतीय - संस्कृति के पतन की समस्या
- ३.१.६ युद्ध की समस्या
- ३.१.७ राजनीतिक - अराजकता की समस्या
- ३.१.८ अतृप्त कामना की समस्या
- ३.१.९ राष्ट्र - प्रेमाभाव की समस्या

## ● निष्कर्ष -

## ३.२ 'कामना' और 'एक घूँट' में चित्रित समस्याएँ

- ३.२.१ स्वच्छंद प्रेम की समस्या
- ३.२.२ एकनिष्ठ प्रेम की समस्या
- ३.२.३ पारिवारिक संघर्ष की समस्या
- ३.२.४ मानसिक संघर्ष की समस्या

## ● निष्कर्ष

## चतुर्थ अध्याय - 'कामना' और 'एक घूँट' : 'कामायनी' की पूर्वपीठिका

६६-८७

- ४.१ 'कामना' और 'एक घूँट' का तुलनात्मक अध्ययन
- ४.२ 'कामना' और 'कामायनी' में साम्य - भेद
- ४.३ एक घूँट और 'कामायनी' में साम्य - भेद
- ४.४ 'कामना' और 'एक घूँट': 'कामायनी' की पूर्वपीठिका
- ४.१.१ रचनाकाल
- ४.४.२ प्रतीकात्मकता
- ४.४.३ प्रेम - निरूपण
- ४.४.४ शैवदर्शन और आनंदवाद
- ४.४.५ नियतिवाद का चित्रण
- ४.४.६ हृदय और बुद्धि पक्ष का संघर्ष एवं समन्वय
- ४.४.७ भारतीय संस्कृति की अभिव्यक्ति
- ४.४.८ काव्यरूप
- ४.४.९ 'कामना' और 'एक घूँट' की परिपक्व एवं महाकाव्यात्मक अभिव्यक्ति - 'कामायनी'

## ● निष्कर्ष

## पंचम अध्याय - " 'कामना' और 'एक घूँट' की प्रासंगिकता " ८८-१०३

## ५.१ तत्कालीन परिस्थितियाँ -

- ५.१.१ राजनीतिक परिस्थिति
- ५.१.२ धार्मिक एवं सामाजिक परिस्थिति
- ५.१.३ आर्थिक परिस्थिति
- ५.१.४ साहित्यिक परिस्थिति

## ५.२ 'कामना' और 'एक घूँट' की तत्कालीन प्रासंगिकता

- ५.२.१ राजनीतिक दासता
- ५.२.२ राष्ट्रीय आंदोलन की अभिव्यक्ति
- ५.२.३ स्वराज्य की मांग
- ५.२.४ आवेश तथा उग्रता के स्वर
- ५.२.५ विदेशी आक्रमण
- ५.२.६ गांधीवाद के सैद्धांतिक पक्ष की अभिव्यक्ति
- ५.२.७ भारतीय संस्कृति का पुनरुन्नयन
- ५.२.८ सांप्रदायिक दंगों के प्रति क्षोभ

## ● निष्कर्ष

## ५.३ 'कामना' और 'एक घूँट' की समकालीन प्रासंगिकता

- ५.३.१ राजनीतिक विघटन
- ५.३.२ सांप्रदायिकता
- ५.३.३ प्रांतियता
- ५.३.४ राष्ट्रीय एकता का संदेश
- ५.३.५ सामाजिक विघटन
- ५.३.६ पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण का दुषित प्रभाव
- ५.३.७ अर्थ वैषम्य एवं मादक द्रव्य सेवन
- ५.३.८ पारिवारिक विघटन
- ५.३.९ युद्ध एवं आतंकवाद का विरोध

## ● निष्कर्ष

## षष्ठम अध्याय -

१०४ - ११०

## उपसंहार

## प्रबंध की मौलिकता

११८

## अनुसंधान की नई दिशाएँ

११९

## संदर्भ ग्रंथ सूची

११८ - १२३